विश्व क्षय रोग दिवस

कृषि संकाय फरीदीपुर, सुलतानपुर।

दिनांक : 24 / 03 / 2023

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर–228118
KAMLA NEHRU INSTITUTE OF PHYSICAL & SOCIAL SCIENCES SULTANPUR-228118
(FACULTY OF AGRICULTURE, SULTANPUR U.P.)

दिनाँक :–22 / 03 / 2023

सूचना

कृषि संकाय के बी.एस–सी. (कृषि) के समस्त छात्र / छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24 / 03 / 2023 को कृषि संकाय में **विश्व क्षय रोग दिवस** के उपलक्ष्य में जागरूत रैली एवं संगोष्ठी का होना सुनिश्चित हुआ है जिसमें आप सभी छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है ।

डॉ. नीरज सिंह –I
(कृषि संकाय)
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

प्रतिलिपि सेवा में सूचनार्थ प्रेषित–

1. प्राचार्य के.एन.आई.पी.एस.एस. सुलतानपुर।

डॉ. नीरज सिंह –I
(कृषि संकाय)
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

आख्या

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुल्तानपुर के कृषि संकाय में विश्व क्षय रोग दिवस पर छात्रों को जागरूप किया गया। संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि हर साल 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन इस दिन दुनिया भर में तरह–तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है. भारत इस बीमारी से सबसे ज्यादा प्रभावित एशियाई देश है. हमारे पास ट्यूबरक्लोसिस से बचाव के लिए कई सुविधाएं हैं लेकिन फिर भी भारत में ट्यूबरक्लोसिस का खतरा अधिक है. टीबी अभी भी दुनिया में सबसे घातक संक्रामक हत्यारा रोगों में से एक है. हर दिन करीब 4100 लोग टीबी से अपनी जान गंवाते हैं. डॉ नीरज सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रध छात्राओं को बताया कि पहला विश्व टीबी दिवस 1983 में "क्ममिंज ज्तः छवू ंदक थ्वतमअमत" थीम के साथ मनाया गया था. तब से, इस दिन को हर साल एक नई थीम के साथ मनाया जाता है जो टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के एक विशिष्ट पहलू पर केंद्रित है. विश्व टीबी दिवस 2023 का थीम है "हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं!" इसका उद्देश्य तपेदिक महामारी से लड़ने के लिए उच्च स्तरीय नेतृत्व, निवेश में वृद्धि, नई डब्ल्यूएचओ सिफारिशों को तेजी से अपनाना, नवाचारों को अपनाना, त्वरित कार्रवाई और बहु–क्षेत्रीय सहयोग को प्रेरित करना और प्रोत्साहित करना है.संस्थान के प्राध्यापक डॉ. एके वर्मा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार टीबी अभी भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक किलर डिजीज में से एक है. डब्ल्यूएचओ की तरफ से साल 2030 तक दुनिया को पूरी तरह से टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक डॉ. पी सी यादव डॉ.के एन राय, डॉ. एस. एन. त्रिपाठी, डॉ अंशुमान, डॉ.एन. के. गुप्ता डॉ.अरविंद प्रताप सिंह डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। अमन, अभिषेक, प्रतिभा, सुहावनी, साक्षी, अजय, रुक्मणि श्रेया आदि छात्र मौजूद रहे।

डॉ. नीरज सिंह –I
(कृषि संकाय)
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

टी बी दुनिया का बहुत ही संक्रामक रोग, इलाज संभव

वॉयस ऑफ अमेठी

सुलतानपुर। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुल्तानपुर के कृषि संकाय में विश्व क्षय रोग दिवस पर छात्रों को जागरूक किया गया।संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह नें बताया कि हर साल 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के रूप में मनाया जाता है।इस मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन इस दिन दुनिया भर में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है।भारत इस बीमारी से सबसे ज्यादा प्रभावित एशियाई देश है।हमारे पास ट्यूबरक्लोसिस से बचाव के लिए कई सुविधाएं हैं लेकिन फिर भी भारत में ट्यूबरक्लोसिस का खतरा अधिक है।टीबी अभी भी दुनिया में सबसे घातक संक्रामक हत्यारा रोगों में से एक है।हर दिन करीब 4100 लोग टीबी से अपनी जान गंवाते हैं।डॉ नीरज सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्र व छात्राओं को बताया कि पहला विश्व टीबी दिवस 1983 में डिफीट टीबी = नाउ एण्ड फारिवर थीम के साथ मनाया गया।इस दिन को हर साल एक नई थीम के साथ मनाया जाता है जो टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के एक विशिष्ट पहलू पर केंद्रित है। विश्व टीबी दिवस 2023 का थीम है हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं! इसका उद्देश्य तपेदिक महामारी से लड़ने के लिए उच्च स्तरीय नेतृत्व, निवेश में वृद्धि, नई डब्ल्यूएचओ सिफारिशों को तेजी से अपनाना,नवाचारों को अपनाना, त्वरित कार्रवाई और बहु-क्षेत्रीय सहयोग को प्रेरित करना और प्रोत्साहित करना है।संस्थान के प्राध्यापक डॉ.एके वर्मा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार टीबी अभी भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक किलर डिजीज में से एक है।डब्ल्यूएचओ की तरफ से साल 2030 तक दुनिया को पूरी तरह से टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।इस इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक डॉ.पी सी यादव डॉ.के एन राय, डॉ.एस.एन. त्रिपाठी, डॉ अंशुमान,डॉ.एन. के.गुप्ता डॉ.अरविंद प्रताप सिंह डॉ.सुशील कुमार श्रीवास्तव के साथ साथ अमन, अभिषेक, प्रतिभा, सुहावनी, साक्षी, अजय, रुक्मणि श्रेया आदि छात्र मौजूद रहे।